कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष : 66 अंक : 08 मुंबई जुलाई 2022

माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में केवीआईसी गतिविधियों की समीक्षा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

वर्ष : 66 अंक : 08 मुंबई जुलाई 2022

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार
उप संपादक

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 03 से 18

- माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा..... 3
- माननीय केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने वाराणसी में एमएसएमई की प्रमुख योजना-पीएमईजीपी के तहत 8 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा की..... 4
- आयोग के जरिये स्वरोजगार सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक - मनोज कुमार 5
- केवीआईसी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस..... 7
- योग दिवस 2022.....8
- आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा शिमला में खादी बिक्री आउटलेट का दौरा.....9
- राजभाषा हिंदी देश में सभी कड़ियों को एक साथ जोड़ती है- प्रीता वर्मा...10
- आयोग के केंद्रीय कार्यालय में मनाया गया एमएसएमई दिवस.....12-13
- एमएसएमई दिवस की झलकियां.....15-16
- वाराणसी में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शनी.....17
- आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून और बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, देहरादून ने हिंदी दिवस का आयोजन.....18
- देहरादून में 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम.....18
- **पीएमईजीपी - सफलता की कहानियां**
- सपना जो साकार हुआ - राजेश कुमार..... 19
- सफलता की ओर बढ़ते कदम- अहमद मलिक.....20

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया..... 21

माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

माननीय केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने केवीआईसी के राज्य कार्यालय, गुवाहाटी का दौरा किया और 27 मई, 2022 को राज्य कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा निष्पादित केवीआईसी गतिविधियों का अवलोकन किया।

माननीय राज्य मंत्री ने अपने दौरे के दौरान आयोग के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और आयोग द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में संचालित किये जा रहे खादी ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की और अस अवसर पर उन्होंने, खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि केवीआई क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और यह आश्चर्यजनक परिणाम देने में

सक्षम है। आयोग के उप.मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभारी, पूर्वोत्तर क्षेत्र डा. सुकुमल देव ने बताया कि आयोग, केवीआईसी की योजना और कार्यक्रमों के साथ दूर-दराज के गांव तक पहुंच रहा है।

माननीय केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने वाराणसी में एमएसएमई की प्रमुख योजना-पीएमईजीपी के तहत 8 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा की

वाराणसी, 06.06.2022: केन्द्रीय माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री (भारत सरकार) श्रीमती स्मृति ईरानी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान एमएसएमई की प्रमुख योजना - प्रधान मंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम(पीएमईजीपी) के तहत 8 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा की, और पीएमईजीपी कार्यक्रम की एक सफल महिला उद्यमी श्रीमती कमलप्रीत कौर, देहरादून (उत्तराखंड) को बधाई दी।

आयोग के जरिये स्वरोजगार सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक - मनोज कुमार

देहरादून, 18 मई, 2022 : खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, विपणन श्री मनोज कुमार ने राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून का दौरा किया। स्थलीय निरक्षण के दौरान श्री मनोज कुमार ने विभागीय अधिकारियों के बीच अपने अनुभव सांझा किये।

इस अवसर पर उन्होंने स्वरोजगार सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए पहाडों से पलायन को रोकने पर जोर दिये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य खादी आयोग से बने उत्पादों को बड़े पैमाने पर आम लोगों तक पहुचानें की आवश्यकता है।

इससे पहले, श्री मनोज कुमार के आगमन पर राज्य खादी आयोग कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनके स्वागत सत्कार में सर्वप्रथम राज्य निदेशक, राम नारायण एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि प्रवीण डबराल, सोमपाल सिंह, जयपाल सिंह आदि एवं कार्यालय स्टाफ द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया व कार्यालय से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम के उपरान्त राज्य कार्यालय द्वारा संचालित खादी और ग्रामोद्योग योजनाओं की समीक्षा की गई।

तदुपरान्त क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम के प्रधान कार्यालय, चन्दन नगर, देहरादून का अवलोकन किया गया, सर्वप्रथम वहां पर आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, विपणन श्री मनोज

कुमार का स्वागत क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम के मंत्री मोहन लाल मिश्रा एवं पदाधिकारी/कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया, उसके पश्चात श्री मनोज कुमार की पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की हुई जिसमें उन्होंने वर्तमान परिवेश के आधुनिक वस्त्रों के डिजाईनिंग व क्वालिटी, नवयुवक/नवयुवतियों के अनुसार तैयार कराने का आहवान किया गया, ताकि क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम की बिक्री में विस्तार हो सके।

तदुपरान्त आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, विपणन, वहां से प्रस्थान कर ग्राम-खैरीकला, नियर निर्मल आई हास्पिटल, जिला- देहरादून पहुंचे तथा वहां पर मंयक भट द्वारा सम्मानित सदस्य का स्वागत किया गया तथा पीएमईजीपी योजना के अन्तर्गत स्थापित इकाई मैसर्स मयंक प्रिंट पैक, प्रो. दिनेश कुमार भटट जो कि मिठाई व रेडिमेड गारमेन्ट बाक्स निर्माण करती है, का दौरा किया गया।

अपने दौरे के दौरान उन्होने पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत द्वितीय ऋण प्राप्त कर इकाई के विस्तार का सुझाव दिया गया, ताकि नई तकनीकी के साथ अधिक से अधिक उत्पाद तैयार कर और अधिक लोगों को रोजगार सृजित हो सके।

तदुपरान्त वहां से प्रस्थान कर क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, जनक नगर, सहारनपुर, उ0प्र0 के खादी भण्डार, भारत माता मन्दिर, हरिद्वार पहुंचे, सर्वप्रथम सम्मानित सदस्य का स्वागत महात्मा सिंह यादव, संजय तिवारी एवं खादी भण्डार प्रबन्धक, अखिलेश राय एवं कार्यकताओं द्वारा किया गया, जहां श्री मनोज कुमार ने खादी भण्डार के प्रबन्धक को आज की मांग के अनुरूप वस्त्रों के डिजाईन में परिवर्तन करने व खादी भण्डार में अच्छी प्रकार से डिस्प्ले करने का सुझाव दिया।

केवीआईसी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

2015 से, हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के योग दिवस की थीम 'मानवता के लिए योग' थी।

आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यनारायण के नेतृत्व में केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय मुंबई में मानवता के लिए योग-थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बोलते हुए कहा कि यह प्राचीन योगाभ्यास शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य प्रदान करता है और योगाभ्यासियों को जीवन में मन की शांति, अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक दृष्टिकोण को आत्मसात करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने, सभी से योग का अभ्यास करने की अपील की।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जी.गुरुप्रसन्ना और कार्यक्रम निदेशकों ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ योग दिवस समारोह के दौरान योग आसन/प्राणायाम का प्रदर्शन किया।

योग दिवस 2022

आयोग के क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की झलकियां

देहरादून में

शिमला में

बोरीवली में

तिरुवनंथपुरम में

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा शिमला में खादी बिक्री आउटलेट का दौरा

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने 9 जून, 2022 को संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यनारायण और राज्य निदेशक, शिमला के साथ एक खादी ग्रामोद्योग बिक्री केन्द्र, शिमला, हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

योग दिवस 2022

अहमदाबाद में

केन्द्रीय पूनी संयंत्र में

राजभाषा हिंदी देश में सभी कड़ियों को एक साथ जोड़ती है- प्रीता वर्मा

10 और 11 जून 2022 को शिमला में दो दिवसीय 'राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन

शिमला, 10 जून 2022: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अपने राज्य कार्यालय, शिमला के तत्वावधान में दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में किया गया। इस राष्ट्र स्तरीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा के करकमलों से हुआ।

सम्मेलन में दो दिनों तक राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन तथा सरकारी कामकाज में इसके प्रगामी प्रयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर हिपा की अपर निदेशक सुश्री ज्योति राणा, केवीआईसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यनारायण, केवीआईसी शिमला के राज्य निदेशक श्री योगेश भामरे, केवीआईसी मुंबई के उप निदेशक (राजभाषा) श्री कृष्णपाल सिंह, तथा देश भर के विभिन्न राज्यों में राजभाषा हिंदी का कामकाज देख रहे अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने केवीआईसी के विभिन्न कार्यालयों में हिंदी का उत्कृष्ट कार्यान्वयन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि वे ऐसे सम्मेलनों को बहुत ही जरूरी मानती हैं, और ऐसे आयोजन कर्मचारियों के बीच विचारों के आदान प्रदान का एक सशक्त माध्यम है, लोग ऐसे अवसरों पर अपने अभिमतों का एक दूसरे से साझा कर पाते हैं और अपने कामकाज को बेहतर बनाने के लिए एक दूसरे से मार्गदर्शन भी प्राप्त करते हैं। इस क्रम में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर जोर

देते हुए उन्होंने केवीआईसी के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी की स्थिति को बेहतर बताया और कहा कि हिंदी ही वह भाषा है जो देश में सभी कड़ियों को एक साथ जोड़ती है। इसी लिए तो इसे संपर्क भाषा भी कहा जाता है। उन्होंने आगे प्रतिभागियों से कहा कि हिंदी का जितना हो सके सरल और सहज बनाया जाना चाहिए, राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को भारी या हावी नहीं होने दें। उन्होंने यह प्रस्ताव रखा कि अन्य विभागों की तरह ही केवीआईसी के विभिन्न कार्यालयों में अलग-अलग अवसरों का फायदा लेते हुए कभी मुहावरों का महीना, कभी हिंदी साहित्य का महीना आदि मनाया जाना चाहिए। इस मौके पर हिंदी के बढ़ते मान-सम्मान पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्होंने गीतांजलि श्री द्वारा लिखित पुस्तक 'रेत की समाधि' का भी जिक्र किया जिसके अंग्रेजी अनुवाद को हाल ही में बुकर प्राइज़ मिला है, जो कि हिंदी के मूल लेखन व संस्कृति के लिए गौरव की बात है।

हिपा की अपर निदेशक सुश्री ज्योति राणा ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजभाषा के कार्यान्वयन में केवल लक्ष्य प्राप्ति के लिए ही नहीं बल्कि मन से हिंदी के प्रचार प्रसार व बढ़ावे के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि सभी को हिंदी को प्रथम स्थान पर रखना चाहिए न कि अंग्रेजी को। हिंदी भाषा माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह हमारी सदियों की सभ्यता का प्रतीक भी है। उन्होंने आगे कहा कि अंग्रेजी के मुकाबले हिंदी अधिक प्रभाव डाल सकती है।

समारोह पर बोलते हुए केवीआईसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी श्री सत्यनारायण ने खादी और ग्रामोद्योग में हिंदी के कामकाज पर प्रकाश डाला तथा इस दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन पर चर्चा किए जाने वाले विभिन्न विषयों की संक्षिप्त जानकारी दी।

समारोह के आरंभ में केवीआईसी राज्य कार्यालय शिमला के निदेशक श्री योगेश भामरे ने इस राजभाषा सम्मेलन में देश भर से पधारे प्रतिभागियों का स्वागत किया और भारत सरकार के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर की कि राज्य कार्यालय शिमला को ऐसे गरिमामयी आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया।

केवीआईसी प्रत्येक वर्ष राजभाषा सम्मेलन का आयोजन देश के किसी भी हिस्से में आयोजित करता है, जिसमें केवीआईसी के विभिन्न राज्य कार्यालयों, उप कार्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। इन दो दिनों में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा नियम व अधिनियम के अनुपालन पर चर्चा, संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली, राजभाषा संबंधी समीक्षा व तिमाही प्रतिवेदन, हिंदी के कार्यान्वयन से जुड़ी भारत सरकार की विभिन्न प्रोत्साहन नीतियों, हिंदी के सुचारू प्रयोग के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले सॉफ्टवेयर व टूल्स की जानकारी दी गयी।

आयोग के केंद्रीय कार्यालय में मनाया गया एमएसएमई दिवस

केवीआईसी ने अपने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में "लचीलापन और पुनर्निर्माण: सतत विकास के लिए एमएसएमई" थीम के तहत एमएसएमई दिवस मनाया। इस अवसर पर विभिन्न तकनीकी संस्थानों के छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीएमईजीपी, आईटी और प्रचार श्री राजन बाबू ने पीएमईजीपी सहित केवीआईसी की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विपणन श्री एस. एस. सिल ने प्रतिभागियों का उद्यमिता के साथ विपणन और निर्यात पहलुओं पर मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम की अतिथि उप. निदेशक, एमएसएमई,

मुंबई श्रीमती भाग्यश्री साठे ने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए इस अवसर पर उपस्थित युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

भारतीय स्टेट बैंक, विले पार्ले शाखा के प्रबंधक श्री रणजीत सिंह ने भी उपस्थित छात्रों को स्वरोजगार व उद्यमिता के बारे में प्रोत्साहित किया और एक उद्यम शुरू करने में बैंकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विभिन्न तकनीकी कॉलेजों से आये छात्रों ने भी उत्साह दिखाते हुए स्वरोजगार व उद्यमिता एवं पीएमईजीपी सहित केवीआईसी की अन्य योजनाओं के बारे में प्रश्नोत्तर किये।

इससे पूर्व, निदेशक प्रचार श्री संजीव पोसवाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया।

केवीआईसी की वित्तीय सलाहकार श्रीमती आशिमा गुप्ता ने 2 और 3 जून, 2022 को उद्योग भारती, गोंडल और सौराष्ट्र रचनात्मक समिति, राजकोट खादी भवन का दौरा किया।

एमएसएमई दिवस की झलकियां

राज्य कार्यालय, त्रिपुरा

अगरतला, त्रिपुरा

राज्य कार्यालय, देहरादून

राज्य कार्यालय, विजयवाडा

राज्य कार्यालय, शिलांग

28 जून 2022 को चंडीगढ़ में एमएसएमई सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रम।

राज्य कार्यालय, ईटानगर

27.06.2022 को विभागीय कार्यालय, केवीआईसी, मदुरै में केवीआईसी/केवीआईबी/डीआईसी के अधिकारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

29 जून, 2022 को एमएसएमई सप्ताह समारोह के अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय, थूथुकुडी में बैंकों को पीएमईजीपी दिशानिर्देशों पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया।

आयोग के विभागीय कार्यालय, हुबली ने एमएसएमई क्षेत्र के योगदान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्रमशः 29 जून 2022 और 1 जुलाई 2022 को विभागीय कार्यालय, हुबली और देशपांडे फाउंडेशन, हुबली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर एमएसएमई सप्ताह मनाया। एमएसएमई सप्ताह मनाने का उद्देश्य देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए नवोदित उद्यमियों को तैयार करना ताकि राष्ट्र निर्माण के लिए भावी कार्यबल के कौशल का उपयोग किया जा सके।

एमएसएमई दिवस की झलकियां

राज्य कार्यालय, इम्फाल

राज्य कार्यालय, गुवाहाटी

राज्य कार्यालय, दीमापुर

राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र

नांदेड में राज्य कार्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित जन जागरुकता शिविर

रत्नागिरी में राज्य कार्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित जन जागरुकता शिविर

शोलापुर में आयोजित जन जागरुकता शिविर

बोरीवली, मुंबई में आयोजित जन जागरुकता शिविर

लातूर में राज्य कार्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित जन जागरुकता शिविर

वाराणसी में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शनी

आयोग के मंडलीय कार्यालय, वाराणसी ने जीएम, बीएलडब्ल्यू, वाराणसी के अनुरोध पर बनारस रेलवे कारखाना (बीएलडब्ल्यू) वाराणसी के परिसर में अन्य खादी उत्पादों के साथ 10 दिवसीय (01.06.2022 से 10.06.2022 तक) भारतीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 01.06.2022 को जीएमबीएलडब्ल्यू और निदेशक, केवीआईसी, वाराणसी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी का आयोजन केवीआईसी की वित्तीय सहायता के बिना किया गया।

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून और बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, देहरादून ने हिंदी दिवस का आयोजन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून और बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, देहरादून ने 14 जून, 2022 को हिंदी दिवस मनाया और शत-प्रतिशत आधिकारिक कार्य हिंदी में करने का संकल्प लिया।

उक्त कार्यक्रमों की अध्यक्षता राज्य प्रभारी निदेशक श्री राम नारायण ने की।

प्रथम दिवस कार्यक्रम का आयोजन राज्य कार्यालय, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग देहरादून में किया गया।

राज्य के निदेशक प्रभारी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा के कार्य में उत्तरोत्तर वृद्धि होनी चाहिए और इसका प्रसार 14 जून, 2022 को हिंदी दिवस के रूप में मनाया गया, जो हर महीने की 14 तारीख को मनाया जाएगा।

देहरादून में 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, देहरादून ने 20 जून, 2022 से 24 जून, 2022 तक 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में विधायक श्री सहदेव पुंडीर, सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री गुलाब सिंह रावत एवं सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर श्री राजेन्द्र सिंह रावत मुख्य अतिथि थे।

आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, देहरादून के प्राचार्य श्री यू. एस. रावत ने प्रतिभागियों को केन्द्र द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून के पीएमईजीपी के नोडल अधिकारी श्री जे.एस. मलिक ने सभी प्रशिक्षुओं को पीएमजीएपी योजना के बारे में संबोधित किया।

पीएमईजीपी - सफलता की कहानियां

राजेश कुमार
सपना जो साकार हुआ

अपने सपने को साकार करने के लिए पारंपरिक नौकरी को छोड़ना कभी भी आसान नहीं होता है, चाहे आप इससे कितना भी कम कमाते हो, लेकिन राजेश कुमार ने इसे अपने परिवार के समर्थन से कर दिखाया। "मैं एक निजी स्टील निर्माण कार्यशाला में काम कर रहा था। बहुत कम कमाई के साथ काम थकाऊ और श्रमसाध्य था, इसलिए इसने मुझे हमेशा निराश किया और एक दिन मैंने इसे छोड़ने का फैसला किया, मेरे परिवार ने मेरे फैसले का समर्थन किया और मुझे जम्मू-कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं के बारे में बताया,

"राजेश कुमार ने कहा," मैं मेरा हमेशा से अपना छोटा व्यवसाय शुरू करने का सपना देखता था और जम्मू-कश्मीर केवीआईबी की मदद से मैंने इसे साकार किया। "34 साल की उम्र में, राजेश ने पीएमईजीपी योजना के तहत स्टील निर्माण के लिए 25,00000/- रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया और तदनुसार डीएलटीएफसी की बैठक में अनुमोदित किया गया।

राजेश ने कहा, "इस इकाई से पहले, मैं प्रति माह 10,000 रुपये कमाता था, लेकिन अब मैं कर्मचारियों के वेतन को छोड़कर 35,000 रुपये से अधिक कमाता हूँ।"

राजेश ने एक श्रमिक को एक उद्यमी में बदलने के लिए जम्मू-कश्मीर केवीआईबी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएमईजीपी - सफलता की कहानियां

अहमद मलिक
क्लासिक प्लास्टिक

सफलता की ओर बढ़ते कदम

8000 रुपये प्रति माह के मामूली वेतन पर हार्डवेयर उत्पादों के विक्रेता के रूप में काम करते हुए, 32 वर्षीय फिरोज अहमद मलिक ने शायद ही कल्पना की होगी कि वह इतनी आसानी से हार्डवेयर उत्पादों का अपना उद्योग स्थापित कर लेंगे।

क्लासिक प्लास्टिक इंडस्ट्री के मालिक फिरोज अहमद मलिक ने कहा, "मैं हमेशा कुछ ऐसा करना चाहता था जो न केवल मुझे स्थिर कमाई प्रदान करे, बल्कि मेरी विशेषज्ञता का उपयोग करेगा, जिसे मैंने एक सेल्समैन के रूप में हासिल किया है।"

उत्पाद के साथ-साथ बाजार की जानकारी रखने वाले फिरोज अहमद ने अपने दोस्त के सुझाव पर जम्मू-कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की पीएमईजीपी योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया। मलिक ने कहा, "मेरा मामला डीएलटीएफसी को भेज दिया गया और अंततः मेरे पक्ष में 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई," मलिक ने कहा, वह इस उद्यम से प्रति माह 50000 रुपये कमाते हैं।

इस उद्यम को लेने की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर, फिरोज ने कहा कि इस पसंद के पीछे कई कारक हैं। "मैं हार्डवेयर उत्पादों के लिए एक विक्रेता के रूप में काम कर रहा था। उन्होंने कहा, एक बार दिल्ली में एक बैठक के दौरान, एक कश्मीरी पंडित ने मुझे इस व्यवसाय को करने कलिए प्रेरित किया। इसके अलावा, मुझे उत्पादों का ज्ञान था।"

उन्होंने कहा कि कुछ ही समय में, उनके उत्पादों की राज्य भर में भारी मांग बढ़ी है। "हम गार्डन पाइप, पीवीसी पाइप, नाली पाइप, एसडब्ल्यूआर पाइप और अन्य हार्डवेयर उत्पादों के साथ काम कर रहे हैं। बाजार में हमारे उत्पादों की भारी मांग है।"

केवीआईसी सोशल मीडिया पर

फेसबुक व इंस्टाग्राम पोस्ट

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्जरलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia